भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.1442

10 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

'स्मार्ट-स्कोप'

1442. श्री राहुल रमेश शेवाले:
श्री चंद्र शेखर साहू:
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:
डॉ. प्रीतम गोपीनाथराव मुंडे:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में 'शिक्षण पेशेवर कार्यक्रम में आयुर्वेद अनुसंधान को मुख्य धारा में लाना' 'नामक स्मार्ट-स्कोप कार्यक्रम शुरु किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(ग) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत महाराष्ट्र सहित राज्य-वार कितनी धनराशि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है; और

(घ) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत इस प्रकार के आयुर्वेद अनुसंधान को किस सीमा तक लाभ हुआ है/लाभ होने की संभावना है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी हां।

(ख): आयुर्वेद शिक्षाविदों के सहयोग के माध्यम से ठोस नैदानिक अध्ययनों को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु, आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में एक स्वायत्त निकाय केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा 02 जनवरी, 2023 को देश में "स्मार्ट" (एसएमएआरटी)- शिक्षण पेशेवर कार्यक्रम में आयुर्वेद अनुसंधान को मुख्य धारा में लाने की सीमा का विस्तार आरंभ किया गया है। आयुर्वेद में इस सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम को ऐसा अनुसंधान करने के लिए तैयार किया गया है जिसमें आयुर्वेद औषधियों, उत्पादों और अभ्यासों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के ज्ञान में सुधार करने की क्षमता है। प्राप्त प्रत्येक प्रस्ताव की वैज्ञानिक योग्यता के आधार पर वित्त पोषण किया जाएगा।

(ग): अभी तक कोई निधि जारी नहीं की गई है, क्योंकि कार्यक्रम हाल ही में आरंभ किया गया है।

(घ): ऐसा अनुसंधान सुसंतुलित होगा और समान रूप से पारम्परिक समन्वय सुनिश्चित करेगा, हितधारकों के बीच लाभ साझा करेगा और अनुसंधान परिणामों से मानवजाति को लाभ होगा।

*****